

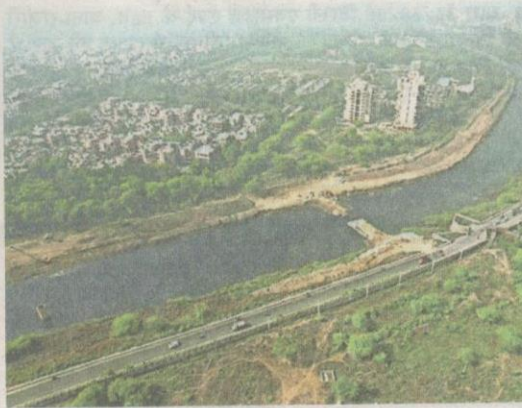
यमुना में घट रहा प्रदूषण, अस्थायी बांध बना साफ किया जा रहा नाले का पानी

सप्लीमेंट्री व नजफगढ़ नाले पर बनाए गए 24 अस्थायी बांध, जल मंत्री ने किया निरीक्षण

राज्य व्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली सरकार ने बड़े नालों पर अस्थायी बांध बनाकर उसके गंदे पानी को साफ करने की पहल की है। सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग ने नजफगढ़ व सप्लीमेंट्री नालों पर 24 अस्थायी बांध बना लिए हैं। इसके तहत सप्लीमेंट्री नाले पर 11 व नजफगढ़ नाले पर 13 अस्थायी बांध बनाए गए हैं। इसके अलावा फ्लोटिंग वेटलैंड व एरिएटर लगाए जा रहे हैं, जिससे नाले का पानी साफ होगा।

बृहस्पतिवार को दिल्ली के जल मंत्री सत्येंद्र जैन ने सप्लीमेंट्री ड्रेन का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इस पहल के शुरुआती परिणाम भी सकारात्मक मिले हैं। नाले के पानी में प्रदूषण 80 प्रतिशत कम हो जाएगा। उन्होंने सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों को बांधों की मजबूती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया और कहा कि समय से गुणवत्ता पूर्ण कार्य पूरा होना चाहिए। नाले में फ्लोटिंग वेटलैंड के लिए केवल बांस और कोई (नारियल की जटा) का इस्तेमाल होना चाहिए। फ्लोटिंग वेटलैंड में नाले में एक खास तरह का पौधा लगाया जाता है, जिसकी जड़ पानी में होती है। यह पौधा पानी में मौजूद प्रदूषण को कम करता है। इससे पानी प्राकृतिक रूप से साफ होता है।

सत्येंद्र जैन ने कहा कि नाले पर अस्थायी बांध बनाए जाने से पानी में बीओडी (बायोलॉजिकल



सप्लीमेंट्री नाले पर 11 अस्थायी बांध बनाए गए ● सौजन्य : दिल्ली सरकार



सप्लीमेंट्री नाले का निरीक्षण करते दिल्ली के जल मंत्री सत्येंद्र जैन ● सौ. दिल्ली सरकार

बांध से लिए सैंपल की जांच में पता चला, पानी में सस्पेंडेड टोस पदार्थों में आई भारी कमी

नालों पर अस्थायी बांध बनाने के बाद रिटाला एसटीपी, रोहिणी सेक्टर-11, 15 और 16 में बने बांध से कुछ समय पहले पानी के सैंपल उठाए गए थे। परीक्षण में पता चला है कि अस्थायी बांध बनाने के बाद पानी में सस्पेंडेड टोस पदार्थों में भारी कमी आई है। रिटाला से रोहिणी सेक्टर-15 के बीच कुल सस्पेंडेड टोस पदार्थ का स्तर

166 मिलीग्राम प्रति लीटर से घटकर केवल 49 मिलीग्राम प्रति लीटर रह गया। अपशिष्ट जल में अमोनिया की मात्रा में भारी कमी आई है। रिटाला में नाले के पानी में अमोनिया का स्तर 26 मिलीग्राम प्रति लीटर था। नाले का पानी रोहिणी सेक्टर-15 तक आते-आते अमोनिया का स्तर महज 18 मिलीग्राम प्रति लीटर रह गया।

आक्सीजन डिमांड) के स्तर में सुधार हुआ है। अस्थायी बांध बनाने का मकसद यह है कि पानी में मौजूद सूक्ष्म कण जमीन की सतह पर बैठ जाएं और बांध के ऊपर से साफ पानी आगे बह जाए। इसके आगे फ्लोटिंग वेटलैंड में लगे पौधे पानी में शेष बची गंदगी सोख लेंगे। एरिएटर की मदद से नाले के पानी में आक्सीजन की मात्रा बढ़ाई जाएगी।

इसलिए यह योजना यमुना को साफ करने में मददगार साबित होगी। नजफगढ़, सप्लीमेंट्री व शाहदरा नाले से यमुना में गिरने वाला गंदा पानी यमुना में प्रदूषण का बड़ा कारण है।

सप्लीमेंट्री नाले में रिटाला फेज-दो सीवरेज शोधन संयंत्र (एसटीपी) से 40 एमजीडी, रिटाला फेज-एक एसटीपी से 30 एमजीडी गैर शोधित

बेकार पानी, रोहिणी सेक्टर-25 एसटीपी से 7.5 एमजीडी गैर शोधित बेकार पानी व कई अन्य छोटे नालों से 15 एमजीडी गंदा पानी एकत्रित होता है, जिसे अब साफ किया जा रहा है। आने वाले समय में छोटे नालों के गंदे पानी को एसटीपी की मदद से शोधित किया जाएगा। एसटीपी से शोधित पानी को झीलों व जंगलों में ले जाया जाएगा।